मूल्य 1 रु.

वर्ष: 9 - अंक : 211, मुंबई, सोमवार, 4 नवंबर, 2019 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र में जारी है पावर गेम

शरद पवार से मिले राज ठाकरे

सूत्रों के मुताबिक महाराष्ट्र के दो कद्दावर नेताओं के बीच हुई मुलाकात में राज्य के चुनाव नतीजों पर चर्चा हुई। हालांकि दोनों नेता कई उद्देश्य से मिले इसकी जानकारी अबतक सामने नहीं आ पाई है।

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में सरकार बनाने के लिए पावर गेम जारी है। इसी सिलसिले में शनिवार को महाराष्ट्र नव निर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार से मुलाकात की। ये मुलाकात मुंबई में शरद पवार के आवास पर हुई और 15 मिनट तक चली। सूत्रों के मुताबिक महाराष्ट्र के दो कद्दावर नेताओं के बीच हुई मुलाकात में राज्य के चुनाव नतीजों पर चर्चा हुई। हालांकि दोनों नेता कई उद्देश्य से मिले इसकी जानकारी अबतक सामने नहीं आ पाई है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

एमएनएस को नहीं मिली कामयाबी

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने अच्छी खासी मेहनत की थी, लेकिन पार्टी को कामयाबी नहीं मिली। मनसे ने विधानसभा चुनाव में 103 सीटों पर अपने कैंडिडेट उतारे थे, लेकिन पार्टी का मात्र एक उम्मीदवार चुनाव जीत पाने में सफल हो पाया था।

छठ के दौरान दो अलग-अलग जिलों में हादसा

नाबालिग समेत 5 की मौत

पटना। लोकआस्था के महापर्व छठ के दौरान बिहार के दो अलग-अलग क्षेत्रों में हुए हादसों में पांच लोगों की मौत हो गई तथा 15 से अधिक लोग घायल हो गए। (शेष पृष्ठ 5 पर)

संजय राउत का आरोप

आरोप

विधायकों का समर्थन हासिल करने के लिए अपराधियों और सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल हो रहा

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकार गठन की कश्मकश के बीच शिवसेना नेता संजय राउत ने भाजपा का नाम लिए बगैर आरोप लगाया कि विधायकों का समर्थन हासिल करने के लिए अपराधियों और सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने रविवार को कहा कि दो दलों में बातचीत केवल मुख्यमंत्री के पद को लेकर ही होगी, अगर ऐसा नहीं होता है तो शिवसेना का मुख्यमंत्री होगा। (शेष पृष्ठ 5 पर)

राउत ने कहा- हमारे पास 170 से ज्यादा विधायकों का समर्थन, भाजपा से बात केवल मुख्यमंत्री पद पर सहमति के बाद

भाजपा-शिवसेना के बीच तनातनी को लेकर ओवैसी का तंज

बाजार में नया 50-50 बिस्किट आया है

'एआईएमआईएम किसी का समर्थन नहीं करेगी'

'यहां किसान अपनी समस्याओं को लेकर चिंतित हैं, लेकिन भाजपा-शिवसेना 50-50 कर रही'

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद सबसे बड़ी पार्टी भाजपा और शिवसेना के बीच सरकार बनाने को लेकर तनातनी चल रही है। भाजपा पांच साल अपना मुख्यमंत्री चाहती है, जबकि शिवसेना 50-50 फॉर्मूले पर अड़ी है। इसी बीच एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को तंज कसते हुए कहा कि बाजार में नया 50-50 बिस्किट आया है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

बेमौसम बारिश से बेहाल किसानों को राहत देने के लिए सीएम फडणवीस ने बुलाई कैबिनेट की सब कमेटी की बैठक

मुंबई। महाराष्ट्र में बेमौसम हुई बारिश से भारी तबाही हुई है। बेहाल किसानों को राहत देने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज कैबिनेट की सब कमेटी की बैठक बुलाई है। देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को बताया कि फसलों का सबसे ज्यादा नुकसान मराठवाड़ा के 8 जिलों में हुआ है। मुख्यमंत्री कार्यालय के जारी प्राथमिक आंकड़ों के मुताबिक 325 तालुका में 55 लाख 22 हजार हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हुआ। सोयाबीन, ज्वार, धान, तूर, कपास और बाजरा को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। एक मोटे अनुमान के मुताबिक 5000 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है। फसल बबादी के आंकलन में देरी होने से किसान सरकार से नाराज हैं। किसान नेता और स्वाभिमानी शेतकारी संगठन के संस्थापक सदस्य विजय जावंधिया ने कहा, किसान के घर आ रही फसल बर्बाद हुई है। कई इलाकों में किसानों मुठ्ठी भर भी अनाज नहीं मिलेगा। किसानों के लिए बहुत बड़ी तबाही है, सरकार को चाहिए निर्धारित नियमों को

दरकिनार करते हुए किसानों की मदद करे, क्योंकि इस महंगाई में सिर्फ क्षतिपूर्ति से काम नहीं चलेगा। महाराष्ट्र में चक्रवाती तूफान 'क्यार' के चलते अक्टूबर में भारी बारिश हुई है। जिसके चलते उड़द, ज्वार-बाजरा, मूंग, सोयाबीन, कपास, अंगूर, प्याज, कपास की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने उच्च स्तरीय बैठक के बाद कहा, कलेक्टर को फील्ड में जाकर पंचनामा करने के निर्देश दिए गए हैं। हमारी कोशिश है कि हर किसान को मुआवजा मिले। महाराष्ट्र में बीजेपी और शिवसेना के बीच सरकार बनाने के बीच चल रही खींचतान के बीच किसानों पर ये त्रासदी उस वक्त हुई जब उनकी फसलें खेत से लगभग तैयार थीं, उदड़ और सोयाबीन की थ्रेसिंग होने वाली थी, तो ज्वार कटकर खेत में रखे थे। लेकिन लगातार भारी बारिश के चलते वो खेत में दोबारा जम गए हैं। दि वेदर चैनल वेबसाइट के मुताबिक भारी बारिश से 5000 करोड़ से ज्यादा की फसल नुकसान हुआ है।

पुणे में रेलवे स्टेशन पर कार पार्किंग से बरामद हुआ हैंडग्रेनेड

4 घंटे में डिफ्यूज किया गया

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में रेलवे स्टेशन की कार पार्किंग में एक हैंडग्रेनेड बरामद हुआ। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। बम निरोधक टीम ने हैंडग्रेनेड को एक खाली पार्क में ले जाकर डिफ्यूज किया। इसके बाद उसके अवशेषों को एकत्रित कर जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा गया। रेलवे सुरक्षा बल के सहायक वरिष्ठ निरीक्षक संतोष बाडे ने बताया कि शुक्रवार शाम को पार्किंग में एक खंभे के पास हैंडग्रेनेड नजर आया। वहां काम करने वाले एक मजदूर ने इसे सबसे पहले देखा। उसने स्थानीय लोगों को सूचना दी। हैंडग्रेनेड पुराना था। लेकिन, इस बात की जांच की जा रही है कि इसे खंभे के नीचे किसने और किस मंशा के साथ रखा था। उन्होंने बताया कि रेलवे स्टेशन के आसपास लगे हुए सीसीटीवी की भी जांच की जा रही है। हैंडग्रेनेड होने की सूचना पर बम निरोधक टीम को बुलाया गया। टीम ने करीब 4 घंटे की मशक्कत के बाद हैंडग्रेनेड को डिफ्यूज किया।

महाराष्ट्र समेत कई प्रदेशों में 7 नवंबर तक बारिश का अनुमान

मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी

पुणे। इस सप्ताह महाराष्ट्र समेत कई प्रदेशों के कुछ हिस्सों में मध्यम और भारी बारिश हो सकती है। पुणे स्थित भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य के विदर्भ, मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, असम, मेघालय, कोंकण और गोवा, तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में 7 नवंबर तक बारिश की संभावना है। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फणडवीस ने शनिवार को आपात बैठक बुलाई है। मौसम विभाग के मुताबिक, पुणे में अगले 48 घंटे के दौरान भारी बारिश की संभावना है।

इस दौरान पश्चिमी अरब सागर और लक्षद्वीप में 80-90 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इनकी रफ्तार कहीं-कहीं पर 120 किलोमीटर प्रति घंटे भी हो सकती है। इस वजह से मछुआरों को समुद्र में नावें नहीं ले जाने की चेतावनी जारी की गई है। राज्य के कुछ हिस्सों में मानसूनी बारिश के बाद पिछले दो दिनों के दौरान फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। गुरुवार को शिवसेना के एक प्रतिनिधि मंडल ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात कर मदद की गुहार लगाई थी। वहीं राकांपा प्रमुख शरद पवार भी आज-कल में मराठवाड़ा के दौरे पर जाने वाले हैं। वे प्रभावित किसानों से मुलाकात करेंगे।

(पृष्ठ 1 का शेष)

महाराष्ट्र में जारी है पावर गेम

महाराष्ट्र और शिवसेना ने विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा है, अगर दोनों पार्टियां साथ मिलकर जाएं साथ मिलकर सरकार बना सकती हैं, लेकिन सरकार के समीकरण को लेकर दोनों पार्टियों के बीच पेंच फंसा है। शिवसेना ढाई-ढाई साल तक सत्ता में भागीदारी चाहती है, लेकिन बीजेपी सत्ता का बंटवारा नहीं करना चाहती है। बता दें कि महाराष्ट्र में किस पार्टी की सरकार बनेगी इस पर अभी अनिश्चितता बरकरार है। सियासत के दोनों दोस्तों के बीच जहां कुर्सी को लेकर खींचतान जारी है, वहीं शिवसेना ने अब दूसरे विकल्पों को तलाशना शुरू कर दिया है। शिवसेना अब एनसीपी और कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाने की संभावनाएं तलाश रही है। बता दें कि महाराष्ट्र की 288 सीटों में बीजेपी को 105 सीटों पर कामयाबी मिली है, जबकि शिवसेना के 56 उम्मीदवार चुनाव जीते हैं। कांग्रेस के 44 विधायक चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं और एनसीपी ने 54 सीटों पर जीत हासिल की है।

संजय राउत का आरोप

इससे पहले राकांपा नेता अजित पवार ने कहा- संजय राउत ने मुझे संदेश भेजा, मैं मीटिंग में था इसलिए यह नहीं जान पाया कि उन्होंने क्या संदेश दिया है। चुनाव के नतीजे आने के बाद पहली बार उन्होंने मुझसे संपर्क किया और मैं जल्द ही उनसे बात करूंगा। हमें 170 से ज्यादा विधायकों का समर्थन है। यह आंकड़ा 175 भी हो सकता है। अभी तक सरकार बनाने को लेकर हमारी भाजपा से कोई बातचीत नहीं हुई। मुख्यमंत्री पद पर सहमति बनने के बाद ही चर्चा होगी। शिवसेना के मुखपत्र सामना में साप्ताहिक कॉलम में राउत ने सरकार के गठन पर गतिरोध की तुलना अहंकार के कीचड़ में फंसे रथ से की है। राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने को लेकर उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो यह भाजपा की सदी की सबसे बड़ी हार होगी। दरअसल, भाजपा नेता सुधीर मुनगंटीवार ने कहा था कि अगर राज्य में 7 नवंबर तक सरकार का गठन नहीं होता है तो राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि अगर शिवसेना को सत्ता में आना है तो आने वाले दिनों में लोगों को यह पता लग जाएगा। उद्धव ने असमय बारिश की वजह से खराब हुई फसलों के लिए 10 हजार करोड़ के राहत पैकेज की घोषणा को भी अपर्याप्त बताया। उन्होंने कहा कि हेलिकॉप्टर से नुकसान का आकलन नहीं किया जा सकता।

भाजपा-शिवसेना के बीच तनातनी को...

महाराष्ट्र की कुल 288 विधानसभा सीटों में से भाजपा ने 105 और शिवसेना ने 56 सीटें जीती हैं। बहुमत के लिए 145 का आंकड़ा जरूरी है। राकांपा 54 सीटों के साथ तीसरे नंबर की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जबकि कांग्रेस को 44 सीटें हासिल हुई हैं। ओवैसी ने कहा, यह 50-50 क्या है, बाजार में यह सिर्फ नया बिस्किट है। आप 50-50 कितना करेंगे? मेरा कहना है कि आपको महाराष्ट्र की जनता ने चुना है, आप उनके लिए अच्छा काम कीजिए। यहां किसान अपनी समस्याओं को लेकर चिंतित हैं, लेकिन भाजपा-शिवसेना 50-50 कर रही है। इस चुनाव में एमआईएमआईएम के डॉक्टर फारूक शाह धुले और मुफ्ती मोहम्मद इस्माइल कास्मीमाले से चुनाव जीते हैं। ओवैसी ने यह भी कहा, मैं नहीं जानता कि महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस या कोई और मुख्यमंत्री बनेगा। यहां अभी म्यूजिकल चेयर घूम रही है। इतना साफ है कि एआईएमआईएम सरकार बनाने के लिए भाजपा या शिवसेना का समर्थन नहीं करेगी।

छठ के दौरान दो अलग-अलग...

मृतकों में दो बच्चे और दो महिलाएं शामिल हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि समस्तीपुर के हसनुपर थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह श्रद्धालुओं की भीड़ पर मंदिर की एक दीवार गिर गई। इस हादसे में दो महिलाओं सहित तीन लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 10 लोग घायल हो गए। हसनपुर के थाना प्रभारी चंद्रकांत ने बताया कि बड़गांव स्थित एक तालाब में छठ पर्व के मौके पर बड़ी संख्या में व्रती अपने परिजन के साथ उदीयमान सूर्य की अराधना को लेकर जुटे थे। इसी दौरान तालाब से सटे एक मंदिर की दीवार गिर गई जिसमें दबकर तीन लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं शामिल हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि इस घटना में 10 लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां सभी घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। इससे पहले शनिवार की रात छठ महापर्व के दौरान औरंगाबाद स्थित सूर्यनगरी देव में सूर्य मंदिर में मची भगदड़ में दबकर दो बच्चों की मौत हो गई। हादसे में कई अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि छठ के सायंकालीन अर्ध्य के दौरान शनिवार को देर शाम औरंगाबाद के देव में लगने वाले मेला में मची भगदड़ के कारण करीब सात-आठ लोग घायल हो गए। भीड़ में दबकर दो बच्चों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान भोजपुर जिले के प्रिंस कुमार (4) और पटना के बिहटा निवासी रिंकू कुमारी (7) के रूप में की गई है।

दैनिक मुंबई हलचल अब हर सच होगा उजागर 7

जासूसी

वॉट्सऐप ने कहा– सरकार को सितंबर में अलर्ट किया था

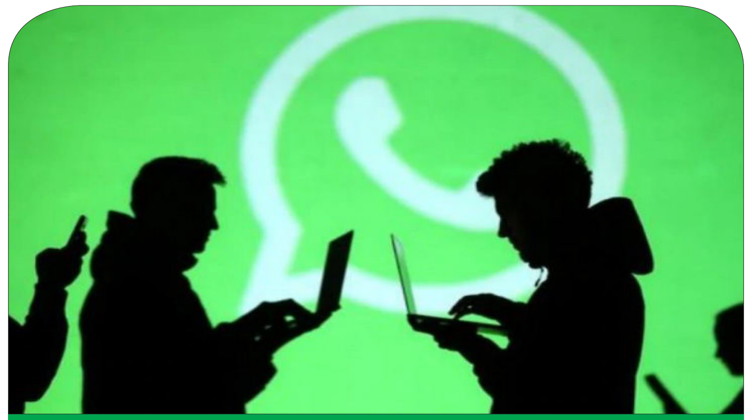

कांग्रेस का आरोप- प्रियंका का फोन भी हैक हुआ

मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप ने रविवार को कहा कि हमने भारत सरकार को सितंबर में ही स्पाईवेयर पीगासस के बारे में अलर्ट किया था। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कहा कि हमें जो भी जानकारी दी गई है, वह स्पष्ट नहीं थी। इससे पहले वॉट्सऐप ने कहा था कि इजरायली स्पाईवेयर पीगासस से 121 भारतीय यूजर्स की जासूसी की गई। इस बीच कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का भी फोन हैक किया गया है। वॉट्सऐप ने गुरुवार को इजरायली स्पाइवेयर की मदद से दुनियाभर में करीब 1400 वॉट्सऐप यूजर्स के फोन की जासूसी होने की पुष्टि की थी जिसमें पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हैं। सरकार ने मामला सामने आने के बाद कंपनी से रिपोर्ट मांगी थी। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि जासूसी मामले पर सरकार के सवालों का जवाब दिया है। आईटी मंत्रालय के सूत्रों ने न्यूज एजेंसी को बताया कि वाट्सऐप से उसे जवाब हासिल हुआ है और वह इसका अध्ययन कर रहे हैं। वॉट्सऐप के सूत्रों ने कहा कि कंपनी ने सितंबर में ही सरकार को रिपोर्ट सौंप दी थी। इससे पहले, मई में सरकार को जासूसी की जानकारी दी गई थी। इस तरह यह दूसरा मौका है जब सरकार को इसके बारे में बताया गया। वॉट्सऐप ने कहा था कि वह एक इजरायली खुफिया फर्म एनएसओ ग्रुप पर मुकदमा करेगी। इस फर्म ने चार महाद्वीपों के लगभग 1,400 यूजर्स के फोन को हैक करने में मदद की। इसमें राजनयिक, असंतुष्ट नेता, पत्रकारों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी शामिल हैं। उसने यह नहीं बताया कि इन पत्रकारों और कार्यकर्ताओं के फोन की जासूसी किसके इशारे पर की गई।

भारतीय यूजर्स के निजता के साथ छेड़छाड़ की सूचना मिली: वाट्सऐप

व्हाट्सएप ने बताया कि मई में भारत के कुछ यूजर्स के निजता के साथ छेड़छाड़ की सूचना मिली। इसके बाद तुरंत कार्रवाई शुरू की। हमने उन 1400 यूजर्स को स्पेशल मैसेज भेजा कि यदि वे किसी स्पाईवेयर के अटैक के प्रभाव में आए हैं तो इसकी सूचना हमें तुरंत दें। इसके बाद कई भारतीय सामाजिक कार्यकताओं ने मैसेज मिलने की पुष्टि की। वाट्सऐप के पूरे विश्वभर में डेढ़ अरब यूजर्स हैं और सिर्फ भारत में ही इसके 40 करोड़ उपभोक्ता हैं।

दिल्ली में 37 उड़ानें रद्द

स्कूल–कॉलेज बंद किए गए, 300 टीमें हालात सुधारने में जुटीं

प्रदूषण

प्रधानमंत्री के प्रधानसचिव ने पंजाब, दिल्ली और हरियाणा के अधिकारियों के साथ बैठक की

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा और कैबिनेट सचिव राजीव गाबा ने दिल्ली-एनसीआर में बढ़े प्रदूषण को देखते हुए रविवार शाम को उच्चस्तरीय बैठक की। इस बैठक में प्रदूषण को कम करने के लिए उठाए जाने वाले आवश्यक कदमों पर चर्चा की गई। बैठक में दिल्ली के अधिकारियों के अलावा पंजाब और हरियाणा सरकार के प्रतिनिधि भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। इससे पहले, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र से प्रदूषण के रोकथाम के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया था और कहा था कि वे इस पर कोई राजनीति नहीं चाहते। यदि केंद्र इस पर कोई पहल करता है तो वे इसका समर्थन करेंगे।

राजधानी दिल्ली और एनसीआर के इलाकों में इस सीजन में पहली बार एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 600 के पार पहुंचा है। दिल्ली में रविवार को छिटपुट बारिश के बावजूद हवा की गुणवत्ता और खराब हुई है। ज्यादातर इलाकों में विजिबिलिटी (दृश्यता) काफी कम रही। दिल्ली एयरपोर्ट ने बयान जारी कर कहा कि खराब मौसम और लो विजिबिलिटी के कारण विमान सेवाओं पर असर पड़ा है। सुबह 9 बजे से लेकर अब तक टर्मिनल-3 से 37 फ्लाइट्स को जयपुर, अमृतसर और लखनऊ डायवर्ट किया जा चुका है। वहीं, दिल्ली-नोएडा के सभी स्कूल-कॉलेजों को 5 नवंबर तक बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।

एयर क्वालिटी इंडेक्स के मानक

एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) को 0-50 के बीच 'बेहतर', 51-100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'सामान्य', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है। वहीं, हवा में पीएम 10 का स्तर 100 और पीएम 2.5 60 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

दिल्ली के बवाना में एक्यूआई 492, आईटीओ में 487 और अशोक विहार में 482 के स्तर पर पहुंचा

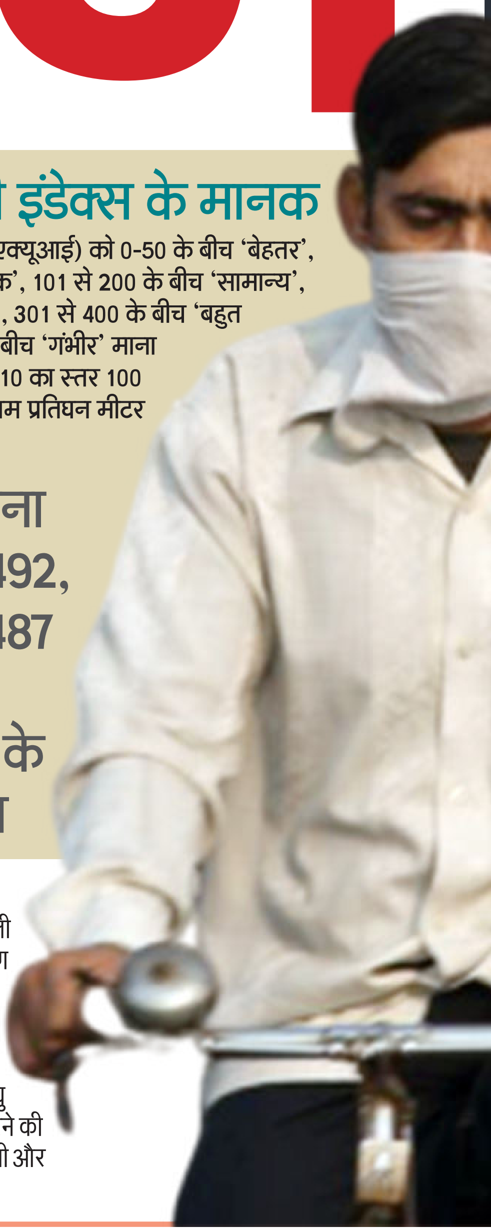

7 इंडस्ट्रियल और ट्रैफिक कॉरिडोर पर फोकस

प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने बैठक के बाद बताया कि दिल्ली में 300 टीमें हालात सुधारने में जुटी हैं। सभी राज्यों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए टीमों को काम सौंप दिया गया है। फोकस एनसीआर के 7 औद्योगिक इलाकों और ट्रैफिक कॉरिडोर पर है। केंद्र लगातार प्रदूषण यूनिटों, कचरा जलाने और निर्माण कार्यों पर करीबी नजर रख रहा है।

अगले 24 घंटे बादल छाए रहेंगे: मौसम विभाग

मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटे बादल छाए रहेंगे। कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हो सकती है। 15 से 20 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। विशेषज्ञों ने घर से बाहर निकलने पर वायु प्रदूषण से बचने के लिए मास्क पहनने की सलाह दी है। दिल्ली यूनिवर्सिटी के इलाके में दोपहर तक एक्यूआई 592 पर था, वहीं लोधी रोड में 537, आईटीओ में 487 और अशोक विहार में 482 रिकॉर्ड किया गया।

दिल्ली में हेल्थ इमरजेंसी: मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को पड़ोसी राज्यों में पराली जलाए जाने से बढ़े प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली के सभी स्कूल 5 नवंबर तक बंद रखने के आदेश दिए। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के पैनल ने प्रदूषण का स्तर अति गंभीर होने पर दिल्ली–एनसीआर में पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी घोषित की। साथ ही 5 नवंबर तक सभी तरह के निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध लगाया गया। सर्दी के मौसम में पटाखे जलाने पर पूरी तरह रोक रहेगी।

4 से 15 नवंबर तक ऑड-ईवन योजना लागू होगा: वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की नेतृत्व वाली सरकार ने 4 से 15 नवंबर तक ऑड–ईवन योजना लागू करने की घोषणा की है। बढ़ते प्रदूषण के मद्देनजर, दिल्लीवासियों ने सांस लेने में समस्या और एलर्जी की शिकायत की है। हाल ही में केजरीवाल ने निजी और सरकारी स्कूल में 50 लाख से ज्यादा मास्क बांटे हैं।

बंद हो यह मुफ्तखोरी की आदत

अशोक भाटिया

जब भी चुनाव नजदीक होते है राजनैतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपनी ओर लुभाने के लिए तरह-तरह के प्रलोभन दिए जाने लगते है। ये प्रलोभन अचानक चुनाव के समय ही उभर कर आते हैं। महाराष्ट्र एवं हरियाणा विधानसभा चुनाव के सन्दर्भ में ऐसी अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाओं को हमने देखा एवं आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव को देखते हुए अरविन्द केजरीवाल ऐसी ही घोषणाओं की झड़ी लगा रहे हैं। लोकतंत्र में इस तरह की बेतुकी एवं अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं एवं आश्वासन राजनीति को दूषित करते हैं, जो न केवल घातक है बल्कि एक बड़ी विसंगति का द्योतक हैं। किसी भी सत्तारुढ़ पार्टी को जनता की मेहनत की कमाई को लुटाने के लिये नहीं, बल्कि उसका जनहित में उपयोग करने के लिये जिम्मेदारी दी जाती है। इस जिम्मेदारी का सम्यक निर्वहन करके ही कोई भी सत्तारुढ़ पार्टी या उसके नेता सत्ता के काबिल बने रह सकते हैं। कहां गया विकासवाद का परचम, देश को विकसित देशों की श्रेणी में कतारबद्ध खड़ा करने की सोच? पार्टियां जिस तरह अपनी सीमा से कहीं आगे बढ़कर लोक-लुभावन वादे करने लगी हैं उसे किसी भी तरह से जनहित में नहीं कहा जा सकता। बेहिसाब लोक-लुभावन घोषणाएं और पूरे न हो सकने वाले आश्वासन पार्टियों को तात्कालिक लाभ तो जरूर पहुंचा सकते हैं, पर इससे देश के दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक हालात पर प्रतिकूल असर पड़ने की भी आशंका है। जब सरकारें आर्थिक रूप से आरामदेह स्थिति में न हों इस प्रकार के प्रलोभन राज्य व देश को आर्थिक रूप से और कमजोर बनाते हैं। यह प्रवृत्ति राजनीतिक लाभ से प्रेरित तो है ही, सांस्थानिक विफलता को भी ढकती है, और इसे किसी एक पार्टी या सरकार तक सीमित नहीं रखा जा सकता। अर्थव्यवस्था और राज्य की माली हालत को ताक पर रखकर लगभग सभी पार्टियों व सरकारों ने गहने, लैपटॉप, टीवी, स्मार्टफोन से लेकर चावल, दूध, घी तक बांटा है या बांटने का वादा किया है। यह मुफ्तखोरी की पराकाष्ठा है। मुफ्त दवा, मुफ्त जाँच, लगभग मुफ्त राशन, मुफ्त शिक्षा, मुफ्त विवाह, मुफ्त जमीन के पट्टे, मुफ्त मकान बनाने के पैसे, बच्चा पैदा करने पर पैसे, बच्चा पैदा नहीं (नसबंदी) करने पर पैसे, स्कूल में खाना मुफ्त, मुफ्त जैसी बिजली, 200 रुपए महीना, मुफ्त तीर्थ यात्रा। जन्म से लेकर मृत्यु तक सब मुफ्त।

मुफ्त बाँटने की होड़ मची है, फिर कोई काम क्यों करेगा? मुफ्त बांटने की संस्कृति से देश का विकास कैसे होगा? पिछले दस सालों से लेकर आगे बीस सालों में एक ऐसी पूरी पीढ़ी तैयार हो रही है या हमारे नेता बना रहे हैं, जो पूर्णतया मुफ्त खोर होगी। केवल नहाय व खाय के सिवाय उन पर कोई जिम्मेदारी नहीं रहेगी टेक्स भरने वाले टेक्स के बोझ के तले दबते रहेंगे व मुफ्त खोर मुफ्तखोरी का मजा लेते रहेंगे।

सीजेआई ने कहा- एनआरसी भविष्य के लिए मूल दस्तावेज

बेवजह की बयानबाजी ने नुकसान किया

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस रंजन गोगोई ने असम में नागरिकता रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने का समर्थन किया। उन्होंने इसे भविष्य के लिए मूल दस्तावेज बताया। जस्टिस गोगोई ने कहा- इससे पहले राज्य में अवैध प्रवासियों की संख्या के बारे में केवल अनुमान लगाया जाता था। इसके चलते राज्य में घबराहट, भय, अराजकता और हिंसा का दौर शुरू हो गया था। जस्टिस गोगोई ने कहा कि एनआरसी कोई नया या अद्भुत विचार नहीं है। 1951 में ही इस पर काम किया जा चुका है और वर्तमान एनआरसी केवल 1951 के आंकड़ों को दुरुस्त करने की कवायद भर है।

जस्टिस गोगोई यहां 'पोस्ट कॉलोनियल असम (1947-2019)' नाम की किताब के विमोचन के मौके पर बोल रहे थे। सीजेआई ने कहा, उद्देश्य स्पष्ट है, अवैध प्रवासियों की संख्या जानने के लिए एक प्रक्रिया तय होनी बहुत जरूरी थी, जो वर्तमान एनआरसी के जरिए हो रही है। न इससे कम, न इससे ज्यादा। एनआरसी इसके लिए सबसे शांतिपूर्ण तरीका है। इसके जरिए राज्य के लोग क्षेत्र की संस्कृति और समुदाय को प्रभावित करने वाली गलतियों को सुधारने की उम्मीद रखते हैं। एनआरसी को लेकर उन्होंने कहा, यह चीजों को व्यवस्थित करने की प्रक्रिया है। एनआरसी कोई कामचलाऊ दस्तावेज नहीं है। 19 लाख या 40 लाख मायने नहीं रखते। यह भविष्य के लिए आधार दस्तावेज है। यह ऐसा दस्तावेज है, जिस भविष्य में अपने अधिकार के लिए प्रस्तुत किया जा सकता है। मेरी नजर में एनआरसी का यही विशिष्ट मूल्य है। संवेदनशील मुद्दों पर बयानबाजी को लेकर जस्टिस गोगोई ने कहा, ऐसे लोग लोकतांत्रिक संस्थाओं पर आधारहीन और प्रेरित आरोप लगाते हैं। उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करना इनका लक्ष्य होता है।

इनका मकसद तब पूरा होता है, जब तथ्य नागरिकों की पहुंच से दूर कर दिए जाते हैं और अफवाहों की बहुतायत होती है। असम और उसके विकास का मुद्दा अज्ञानी लोगों की बयानबाजी का शिकार हुआ है। सीजेआई ने कहा- संस्थाओं की कार्यप्रणाली का मीडिया और विशेष तौर पर सोशल मीडिया के जरिए आकलन किया जाता है। उन्होंने कहा, यह सार्वजनिक तौर पर कहने की जरूरत है कि जिन लोगों ने एनआरसी और इसे लागू करने की समय सीमा पर आपत्ति जताई, वो आग से खेल रहे हैं। काम करने वाली संस्थाओं से जवाबदेही की मांग करने की आदत पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। असम में अंतिम एनआरसी 31 अगस्त को जारी की गई थी, जिसमें 19 लाख आवेदनकर्ताओं के नाम हटा दिए गए थे। कुल 3, 30, 27, 661 लोगों ने एनआरसी के लिए आवेदन किया था।

सेना प्रमुख रावत ने कहा- संपर्क को बढ़ाना प्राथमिकता, चीन सीमा के पास एडवांस लैंडिंग ग्राउंड बनाएंगे

सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत ने कहा कि उत्तराखंड में चीन सीमा के करीब एयरफील्ड बनाने का काम तेजी से जारी है। उन्होंने कहा कि इस इलाके में एडवांस लैंडिंग ग्राउंड बनाएंगे। हमारे लिए सेनाओं के संपर्क माध्यमों को विकसित करना प्राथमिकता है। रावत ने कहा- सीमावर्ती इलाकों में कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए हमारी सेना उत्तराखंड को हरसंभव मदद मुहैया कराएगी।

मैं भरोसा दिलाता हूं कि हवा या जमीनी संपर्क मार्गों को बढ़ाने में हम हर संभव मदद करेंगे। जनरल रावत ने कहा- हाल ही में मेरी मुलाकात उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत से हुई। उन्होंने कहा कि चीन सीमा से सटे इलाकों में एडवांस लैंडिंग ग्राउंड या एयरफील्ड बनाए जाने चाहिए। इस पर मैंने कहा कि सेना इस पर काम कर रही है। एक कॉन्फ्रेंस के दौरान पाकिस्तान द्वारा सीजफायर के उल्लंघन के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम हर वह कदम उठा रहे हैं, जो पाकिस्तान के उकसावे पर माकूल जवाब देने के लिए जरूरी है। मैं आप लोगों को इसका भी भरोसा दिलाना चाहता हूं। इसी कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने राज्य में उद्योगपतियों को निवेश के लिए आमंत्रित किया और कहा कि वे देवदार की पत्तियों को विभिन्न उपयोगों को प्रमोट करें। रावत ने कहा कि हम अगले छह महीने में देवदार की पत्तियों से ईंधन बनाना शुरू कर देंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

फ्लर्टिंग के लिए किस ऐक्ट्रेस से टिप्स लेती हैं रकुल प्रीत

ऐक्ट्रेस रकुल प्रीत खूबसूरती और टैलंट के मामले में किसी से कम नहीं हैं, लेकिन बात जब फ्लर्टिंग की हो तो वह खुद को इस डिपार्टमेंट में कमजोर मानती हैं। यही वजह है कि वह बीटाउन की एक दूसरी ऐक्ट्रेस, जो उनकी अच्छी दोस्त भी हैं, उनसे फ्लर्टिंग टिप्स लेती हैं। ऐक्ट्रेस ने कहा, फ्लर्टिंग में मैं बहुत बुरी हूं। मैं बात कर सकती हूं लेकिन मुझे फ्लर्ट करना नहीं आता। मुझे हमेशा महसूस होता है कि कोई मुझसे फ्लर्ट नहीं करता लेकिन मेरे दोस्तों ने मुझे बताया कि लोग मुझसे फ्लर्ट करते हैं लेकिन मैं ही हूं जो इसे समझ नहीं पाती। रकुल प्रीत ने बताया कि वह रिया चक्रवर्ती से फ्लर्टिंग के लिए टिप्स लेती हैं। उन्होंने इन चीजों को सीखने के लिए रिया को बेस्ट इंसान बताया। ऐक्ट्रेस ने आगे बताया कि वह लड़कों में कौन सी खासियत को तलाशती हैं जिससे वह आकर्षित होती हैं। मुझे लगता है कि सबसे ज्यादा अहम बुद्धि है। मैं जब किसी से बात करूं तो हमारी बातचीत इंट्रेस्टिंग और समझदारी से भरी होनी चाहिए। ऐसा नहीं हो तो ऐसे रिश्ते ज्यादा से ज्यादा 2-3 दिन, 2-3 सप्ताह या 2-3 महीने ही चल सकते हैं। मुझे लगता है कि ऐसे पुरुषों की संख्या बहुत कम है जिनके साथ अच्छी बातचीत की जा सके।

कंगना स्टारर 'थलाइवी' मुश्किलों में

भरतनाट्यम सीखने से प्रॉस्थेटिक्स तक, ऐक्ट्रेस कंगना रनौत तमिलनाडु की दिवंगत पूर्व सीएम जयललिता पर बन रही बायॉपिक 'थलाइवी' के लिए जोर-शोर से तैयारियां कर रही हैं। इस बीच फिल्म के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। दरअसल, जयललिता की भतीजी दीपा ने मद्रास हाई कोर्ट से फिल्म पर स्टे की मांग की है। खबर के मुताबिक, दीपा ने अपने ऐफिडेविट में कहा है कि 'थलाइवी' के डायरेक्टर एएल विजय ने उनसे फिल्म के लिए सहमति नहीं ली। दीपा को लगता है कि कुछ तथ्य और घटनाएं जयललिता को गलत तरीके से पेश कर सकती हैं। वह चाहती हैं कि मामले में कोर्ट दखल दे और यह सुनिश्चित करे कि फिल्ममेकर फिल्म में सही तथ्य दिखा रहे हैं। बता दें, फिल्म के लिए कंगना लॉस ऐंजिलस, कैलिफॉर्निया में तैयारियां कर रही हैं।

यामी गौतम ने इस बार नहीं मनाई दिवाली

यामी गौतम भले ही करियर की खातिर मुंबई रहती हों लेकिन फेस्टिवल्स पर वह अपने होमटाउन चंडीगढ़ जरूर जाती हैं। दिवाली पर भी वह हमेशा घर जाती हैं और इस बार भी उन्होंने ऐसा ही किया लेकिन एक ट्रैजडी के कारण वह इस फेस्टिवल को मना नहीं सकीं। एक इंटरव्यू में इस बारे में बात करते हुए यामी ने बताया कि वह दिवाली के लिए दो दिन का ब्रेक लेकर चंडीगढ़ स्थित अपने घर पहुंची थीं। उन्हें इस फेस्टिवल का बेसब्री से इंतजार था, लेकिन दिवाली पर उनके एक करीबी रिश्तेदार का निधन हो गया। यामी ने कहा कि इस दुखभरी घड़ी में हम सभी गमगीन थे और इस वजह से इस बार दिवाली नहीं मनाई जा सकी। उन्होंने बताया कि वह और उनका परिवार पूरे समय रिश्तेदार के परिवार के साथ ही थे, जिसके बाद वह मुंबई लौट आईं। बता दें कि, यामी गौतम इन दिनों फिल्म 'बाला' के प्रमोशन में बिजी हैं। आयुष्मान खुराना स्टारर इस फिल्म में वह और भूमि पेडनेकर भी अहम रोल निभाती नजर आएंगी।